[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7725** **I**

Unique Paper Code : 2102201201

Name of the Paper : Introduction to Indian Philosophy

Name of the Course : **Philosophy DSC**

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही उपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(b) Attempt any **five** questions.
किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

(c) **All** questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(d) Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.
इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. What is Indian philosophy? Analyze its features in detail.

   भारतीय दर्शन क्या है? इसकी विशेषताओं का विस्तृत विश्लेषण करें।

2. What is Anekanta-vada in Jain philosophy and what is its importance?

   जैन दशन में अनेकांतवाद क्या है इसके महत्व को समझाइए।

3. How has Pratyaksha Pramaṇa (Perception) been analyzed in Nyaaya philosophy. Explain its types with examples.

   न्याय दर्शन में प्रत्यक्ष प्रमाण का विश्लेषण किस प्रकार किया गया है। इसके प्रकारों को उदाहरण सहित समझाइए।

4. What is Anumana (Inference) in Nyaya philosophy? How it is divided into may types. Explain them with examples.

   न्याय दर्शन में अनुमान प्रमाण क्या है। अनुमान प्रमाण को कई प्रकार से विभाजित किया गया है। उदाहरण सहित इसकी व्याख्या करें।

5. Analyse the concept of Satkaryavada in Sankhya philosophy and how it has been criticized in Nyaya philosophy,

   सांख्य दर्शन में सत्कार्यवाद की अवधारणा का विश्लेषण करें और न्याय दशन में इसकी किस प्रकार आलोचना की गई है।

6. Describe Shankaracharyas's concept of Brahman in Advaita Vedanta in detail.

   अद्वैत वेदांत में शंकराचार्य के ब्रह्म की अवधारणा का सविस्तार वर्णन करें।

7. Explain the characteristics of Anatmavada in Buddhist philosophy .

   भारतीय बौद्ध दर्शन में अनात्मवाद की विशिष्टता का उल्लेख करें।

***

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
RAMANUJAN COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI
Kalkaji, New Delhi-110019